

संपादकीय

जरूरी सुधारात्मक कदम

मतदाता सूची का विशेष सक्षिप्त पुनरीक्षण

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 17 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) का एलान, ऊपरी तौर पर, एक नियमित कवायद है। नये मतदाताओं को पंजीकृत करने की यह सालाना कवायद पिछले साल मतदाता सूचियों के ‘विशेष गहन पुनरीक्षण’ (एसआईआर) के कारण रुक गयी थी, और अब 1 जनवरी 2027 को पात्रता लिथि मानते हुए दोबारा शुरू हो रही है। हालाँकि, संग-संग जो चल रहा है, उसके साथ देखें तो यह कवायद एसआईआर में हुई गलतियों को सुधारने का कदम है। आयोग छूट गये लोगों के दोबारा-पंजीकरण के वास्ते एक विशेष अभियान भी चला रहा है, जिसके लिए बिना

“योग छूट गये लोगों के दोबारा-पंजीकरण के वास्ते एक विशेष अभियान भी चला रहा है, जिसके लिए बिना वंशावली-घोषणा वाले मूल फॉर्म 6 का इस्तेमाल हो रहा है। उसने कई राज्यों में थोक में आपत्तियां दाखिल किये जाने की खबरों के बीच, फॉर्म 7 आवेदन दायर करने की संख्या सीमित कर दी है। वह राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के लिए पढ़ने योग्य मतदाता सूचियों का मूल पाठ पीडीएफ में उपलब्ध करायेगा। सब मिलाकर, ये कदम एसआईआर में गंभीर खामियों की ढकी-छुपी स्वीकृति हैं। यह अभियान बहुत कुछ बयान करता है। पुरानी सूचियों से मैपिंग और तार्किक-विसंगति जांच हटाकर, यह मान लिया गया है कि एसआईआर का इन पर जोर देना अनावश्यक था। अगले साल के शुरुआती महीनों में जिन राज्यों में चुनाव होने हैं उत्तर प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड — उनके लिए यह एसआईआर द्वारा तैयार कटी-छेटी मतदाता सूचियों को दुरुस्त करने का स्वातयोग्य मौका है। जिनके नाम गलत तरीके से हटाये गये उन्हें अब दोबारा-पंजीकृत किया सकता है, और नये पात्र मतदाताओं को भी जोड़ा जा सकता है, किसी तार्किक विसंगति जांच या लगभग नागरिकता परीक्षण की जरूरत नहीं पड़ेगी। आयोग को दोबारा-पंजीकरणों को नये पंजीकरणों से अलग रिपोर्ट

करना चाहिए और विशेष अभियान के तहत घर-घर दस्तक में यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि दोबारा-पंजीकरण का बोझ फिर से निर्वाचकों पर न आ पड़े।

हालाँकि, जिन राज्यों में एसआईआर सूचियों के आधार पर पहले ही मतदान हो चुका है, वहां कई सवाल बने हुए हैं। पश्चिम बंगाल में, अपीलीय ट्रिब्यूनलों ने 38 लाख अपीलों जिनमें से 22 लाख हटाये गये मतदाताओं द्वारा दायर की गयीं – में से बहुशिकल 3 फ़ैसदी का निपटारा किया है। और, जिन मामलों में निर्णय आया है, उनमें से 93 फीसदी में मतदाताओं का नाम बहाल हुआ है। आयोग ने अभी तक यह नहीं बताया है कि क्या ये अपीलकर्ता भी नये अभियान का इस्तेमाल कर सकते हैं या इन ट्रिब्यूनलों का क्या होगा। बिहार में, लोकसभा चुनाव 2024 की सूचियों में लिंगानुपात 907 था, जो एसआईआर सूचियों में घटकर 892 पर आ गया। ऐसे राज्यों में जिन विवाहित युवतियों के नाम उड़ाये गये हैं, उन्हें दोबारा-पंजीकरण का मौका मिलना चाहिए। भारत के सुप्रीम कोर्ट ने मई में एसआईआर को सही ठहराया था और अभी पश्चिम बंगाल, दिल्ली और आयोग के आचरण से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है। उसे सुनिश्चित करना चाहिए कि अगली मतदाताओं को सूचियों में वापस लाया जाए। आयोग के साल 2002-03 के दिशा-निर्देश बताते हैं कि पुनरीक्षण को मतदाताओं पर बोझ स्थानांतरित नहीं करना चाहिए। किसी भावी गहन पुनरीक्षण को उसी मॉडल की ओर लेटना होगा। सुधारात्मक कदमों का काफी श्रेय एसआईआर के खिलाफ लगातार विरोध-प्रदर्शनों को जाता है। लेकिन जवाबदेही के लिए ये पर्याप्त नहीं हैं। भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त द्वारा लिये गये फैसलों पर दोनों निर्वाचन आयुक्तों ने ऑन रिकॉर्ड आपत्ति जताई और उनके प्रश्न अब तक अनुत्तरित हैं। अनुप बनवाल मामले में तय की गई नियुक्ति प्रक्रिया – जिसे सरकार ने साल 2023 में संसद में पलट दिया और जिस पर पिछले महीने दो जजों की पीठ ने बंटा हुआ फैसला सुनाया – का भी निपटारा होना चाहिए। और इस दोषपूर्ण प्रक्रिया की अगुवाई करने वाले अधिकारी, यानी सीईसी ज्ञानेश कुमार, को इस्तीफा देना ही चाहिए।

महेन्द्र तिवारी

दिल्ली का कर्नाट प्लेस केवल एक बाजार नहीं है, बल्कि राजधानी की पहचान, आर्थिक गतिविधियों और सार्वजनिक जीवन का एक प्रमुख केंद्र भी है। यहाँ प्रतिदिन हजारों लोग खरीदारी करने, रोजगार के लिए, पर्यटन के उद्देश्य से और अपने दैनिक कार्यों के सिलसिले में आते हैं। इसकी दुकानों, भोजनालयों, छोटे प्रतिष्ठानों और रेहड़ी-पट्टरी पर सामान बेचने वाले लोगों की आजीविका काफी हद तक ग्राहकों की नियमित आवाजाही पर निर्भर करती है। ऐसे में जब इस क्षेत्र में बड़े विरोध प्रदर्शन होते हैं, सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की जाती है और आवागमन पर प्रतिबंध लगाए जाते हैं, तो उसका प्रभाव केवल यातायात तक सीमित नहीं रहता। वह कारोबार, रोजगार और सामान्य जनजीवन को भी प्रभावित करता है। अक्टूबर 2026 में कर्नाट प्लेस के सेंट्रल पार्क में तिरंगा मार्च आयोजित करने की योजना थी। यह आयोजन पार्टी के नेताओं सीरव् दाम और आशुतोष रॉका की गिरफ्तारी के विरोध में बुलाया गया था। आयोजकों ने राष्ट्रीय ध्वज के साथ एकत्र होने का आह्वान किया था। इस घटनाक्रम के बीच नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ने सेंट्रल पार्क को 16 जारी 17 अक्टूबर के लिए बंद रखने की सूचना जारी की। पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई और भीड़ तथा यातायात को नियंत्रित

करने के लिए आवश्यक कदम उठाए। इस घटनाक्रम ने प्रशासन, प्रदर्शनकारियों और व्यापारिक संगठनों के बीच असहमति को सामने ला दिया। कर्नाट प्लेस में प्रदर्शन को लेकर व्यापारियों की चिंता का प्रमुख कारण त्योहारों का मौसम था। इस अवधि में बाजारों में ग्राहकों की संख्या बढ़ती है और अनेक दुकानदार पूरे वर्ष की कमाई का एक महत्वपूर्ण हिस्सा इसी समय अर्जित करते हैं। नई दिल्ली व्यापारी संघ ने राजनीतिक दलों और प्रदर्शन करने वाले समूहों से कर्नाट प्लेस के बजाय अन्य स्थानों पर आयोजन करने की अपील की। व्यापारियों का कहना था कि लगातार प्रदर्शनों, मार्गों पर अवरोधों और भारी सुरक्षा व्यवस्था से ग्राहकों की आवाजाही प्रभावित होती है। दुकानों के खुले रहने के बावजूद यदि लोग बाजार तक पहुँचने से बचें, तो दुकानदारों की वित्ती घट सकती है। इसका असर केवल दुकानों के मालिक पर नहीं पड़ता, बल्कि वहाँ काम करने वाले कर्मचारियों, भोजन परोसने वालों, वाहन चालकों और छोटे विक्रेताओं की दैनिक आय पर भी पड़ता है।

व्यापारी संगठनों की ओर से न्यायालय में यह दावा किया गया कि प्रदर्शनों और संबंधित प्रतिबंधों के कारण प्रतिदिन 200 से 250 करोड़ रुपये तक के कारोबार पर असर पड़ सकता है। इस राशि को वास्तविक और स्वतंत्र रूप से सत्यापित नुकसान का आँकड़ा मानना उचित नहीं होगा, क्योंकि यह याचिकाकर्ताओं की ओर से प्रस्तुत अनुमान था। फिर भी इस दावे के पीछे छिपी आजीविका की चिंता को

महाशक्तियों की तनातनी में दुनिया

के टेरर बाजार ध्वस्त हो रहे हैं,

जबकि भारत 7 प्रतिशत आर्थिक

विकास दर की राह पर है। इसकी

पुष्टि आईएमएफ ने भी की है।

भारत इस आर्थिक अनिश्चितता के

दौर में अपनी आर्थिक गति इसीलिए

बनाए रख सका है, क्योंकि उसने

सबको साथ लेकर चलने का

फैसला किया है। अब चाहे दुनिया

की सबसे बड़ी शक्ति अमेरिका हो या

रूस और चीन, सभी का लक्ष्य

प्राकृतिक साधन-संपन्न छोटे देशों के

संसाधनों का अनैतिक दोहन करना

है। चीना-झपटी करके, युद्ध छेड़कर

वे उन्हें अपने देश के लिए हथिया

लेना चाहते हैं। चाहे ईरान के कच्चे

तेल से लेकर संवर्धित यूरेनियम

तक के मंडार हों या फिर यूक्रेन के

टेयर अर्थ मिनरल्स, अमेरिका हो

या रूस, वे सैन्य बल के साथ इन

खनिज पदार्थों को अपना बना लेना

चाहते हैं। लेकिन तीसरी दुनिया के

देशों को भी विकास पथ पर अवासर

होने का मौका मिलना चाहिए। इस

दर्शन पर कोई शक्तिशाली देश

विश्वास नहीं करता।

महेन्द्र तिवारी

कृत्रिम बुद्धिमत्ता को इक्कीसवीं सदी की सबसे प्रभावशाली तकनीकी उपलब्धियों में गिना जा रहा है। चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, उद्योग, संचार और प्रशासन तक इसका विस्तार नई संभावनाओं के द्वार खोल रहा है। बड़ी कंपनियां इस तकनीक को विकसित करने और अपने कारोबार में शामिल करने के लिए भारी धनराशि खर्च कर रही हैं। लेकिन जब किसी नई तकनीक के प्रति उम्मीदें बहुत तेजी से बढ़ती हैं, तब उसके साथ जुड़े आर्थिक जोखिम भी बढ़ने लगते हैं। 15 अक्टूबर 2026 को वैश्विक शेयर बाजारों में दिखाई दी उथल-पुथल ने इसी प्रश्न को सामने ला दिया है कि क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता में किया जा रहा विशाल निवेश भविष्य में अपेक्षित लाभ दे पाएगा।

रॉयटर्स की रिपोर्टों के अनुसार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में गिरावट के बीच निवेशकों ने सरकारी बांड जैसे अपेक्षाकृत सुरक्षित निवेश साधनों की ओर रुख किया। दक्षिण कोरिया का शेयर बाजार विशेष रूप से प्रभावित हुआ। वहां प्रमुख शेयर सूचकांक कोस्पी 7.57 प्रतिशत गिरकर 5,554.22 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान गिरावट इतनी तेज थी कि कुछ समय के लिए व्यापार रोकना पड़ा। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स और एसके हाहायिक्स जैसी प्रमुख अर्धचालक कंपनियों के शेयरों में भी भारी गिरावट दर्ज

विचार

बहुजन हिताय का हो वैश्विक आर्थिक चिंतन

सुरेश सेट

पिछले दिनों दिल्ली में पहली बार आयोजित ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम के तीन दिवसीय चिंतन-सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आर्थिक चिंतन से प्रगतिशील दुनिया के लिए नए द्वार खोले हैं। वसुधैव कुटुम्बकम् की बात हम हमेशा कहते रहे हैं, लेकिन विकसित देशों की आपसी स्पर्धा और आपाधापी के बीच वे युद्ध, विस्तार और तबाही के आयुधों के साथ दुनिया के संसाधनों पर कब्जा करने में जुटे हैं। ऐसे में भारत और मोदी आर्थिक चिंतन का एक नया पक्ष लेकर इस सम्मेलन में सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि भारत जैसे आध्यात्मिक चिंतन वाले देशों ने हमेशा पूरी दुनिया के साथ कदमताल बनाते हुए आगे बढ़ने के प्रयास किए हैं। किसी का निवाला छीनकर, किसी को धक्का देकर नीचे गिराकर आगे नहीं बढ़ना है।

एक ओर ट्रंप शांति के नोबेल पुरस्कार पर दावेदारी करते रहे हैं, वहीं दूसरी ओर ऊर्जा के बाजार में एकाधिपत्य जमाने के लिए कमजोर देशों के साथ टैरिफ वॉर छेड़ते हैं। भारत को भी धमकी है कि रूस से कच्चा तेल और गैस खरीदने पर सौ प्रतिशत टैरिफ लगा देंगे। ये देश खाड़ी देशों से आने वाले ऊर्जा भंडार को रोकने के लिए होर्मुज के रास्ते में बैठे हैं और भारी शुल्क उगाहने की धमकियों के साथ नाकाबंदी करने में लगे हैं। लेकिन इस सम्मेलन में आर्थिक विकास के लिए सही दिशा की तलाश की गई रही है। प्रयास है कि आर्थिक अनिश्चितताओं को कम करने के लिए भरपूर प्रयास कैसे किए जाएं। भारत की आवाज है कि यह सबके साथ चलकर होगा, एक-दूसरे को धक्का देकर नहीं। धनी देश अगर अपने टैरिफ लगाकर दूसरे देशों की अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ देंगे, तो वे भला आगे कैसे जाएंगे? इसलिए मोदी ने भारत के आर्थिक तंत्र के लक्ष्य की बात की है कि ‘बहुजन हिताय’, अर्थात् सबका हित हो।

बहरहाल, महाशक्तियों की तनातनी में दुनिया के शेयर बाजार ध्वस्त हो रहे हैं, जबकि भारत सात



प्रतिशत आर्थिक विकास दर की राह पर है। इसकी पुष्टि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी कर दी है। मोदी ने कहा कि हम इस असाधारण वातावरण में, अनिश्चिततापूर्ण के माहौल में अपनी आर्थिक गति इसीलिए बना सके हैं, क्योंकि हमने सबके साथ चलने का फैसला किया है, किसी को गिराकर अपनी उन्नति का कार्य नहीं किया। इसी तरह मोदी ने कहा कि कोविड की महामारी आई, तो हमने सौ देशों को कोविड के टीके बांटे और कोविड की तीसरी लहर की तबाही को ताल दिया। यह हमारा व्यावसायिक दृष्टिकोण नहीं, मानवीय दृष्टिकोण था। हम अगर विश्व को कुटुंब की तरह लेंगे, तो इस कुटुंब में हर परिवारजन दूसरे के हितों की रक्षा करेगा। मोदी का यह कहना बिल्कुल सही है कि हम डिजिटल तकनीक, मशीन स्प्लाई, आर्थिक सुधारों और वैश्विक चुनौतियों से बखूबी निपट रहे हैं। हम सब मिलकर चलें, तो यह बदलती दुनिया में ताकत का नया स्रोत बनेगी। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में विचार कीजिए कि ज्ञान, धन और शक्ति का महत्व किस बात में है? किस उद्देश्य के लिए उसका इस्तेमाल किया जा रहा है? भले ही इन

दिनों वैश्विक परिस्थितियां साथ नहीं दे रहीं, तो भी भारत प्रगति के पथ पर बढ़ा जा रहा है। एक तरफ भू-राजनीतिक तनाव है, स्पलाई चैन में बाधा है, रणनीतिक संसाधनों को लेकर बढ़ती प्रतिस्पर्धा है और कुछ देश वैश्विक अस्थिरता का कारण बन रहे हैं। लेकिन भारत इससे अलग अपनी शक्तियों का पूर्ण मूल्यांकन करते हुए किसी से न उलझकर शांति, अहिंसा और सहकारिता के मार्ग पर चल रहा है। इसलिए आज भी उसकी आर्थिक विकास दर दुनिया में सर्वश्रेष्ठ है। आर्थिक चिंतन का यह सम्मेलन सन 1981 से आयोजित किया जा रहा है। भारत में यह पहली बार हुआ है। सम्मेलन में मोदी बोले, इस सहयोग मार्ग पर ही चलते हुए हमने सात प्रतिशत आर्थिक वृद्धि दर्ज की और अपने विदेशी मुद्रा भंडार को समृद्ध किया। हमारा चालू खाता का घाटा भी काफी कम हो गया। इसमें कुछ भी गलत नहीं है, क्योंकि जिस मार्ग पर भारत चला है, उसमें विविधीकरण भी है और हमारे निर्यात भी बढ़ रहे हैं। अर्थात् सहयोग से तरकी है और नकारात्मक प्रतिस्पर्धा से तबाही है।

लेखक साहित्यकार हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उन्माद और वैश्विक बाजार की चिंता



की गई। जापान का शेयर बाजार भी इस वैश्विक दबाव से अछूता नहीं रहा। इन घटनाओं ने स्पष्ट कर दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी कंपनियों में निवेशकों की दिलचस्पी के साथ-साथ उनकी आशंकाएं भी बढ़ रही हैं।

इस गिरावट के पीछे केवल शेयरों की कीमतों में पहले आई तेजी नहीं थी। इसके साथ अमेरिका में महंगाई के अपेक्षा से अधिक बने रहने और ब्याज दरों को लेकर बढ़ती अनिश्चितता का भी संबंध था। जब ब्याज दरें ऊंची रहती हैं, तब कंपनियों के लिए कर्ज लेना महंगा हो जाता है। भविष्य में मिलने वाले लाभ का वर्तमान मूल्य भी कम हो सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में अनेक कंपनियां ऐसे उपकरणों और प्रतिष्ठानों पर भारी धनराशि खर्च कर रही हैं, जिनसे वास्तविक आय प्राप्त होने में कई वर्ष लग सकते हैं। इसलिए महंगे कर्ज और अनिश्चित लाभ का मेल निवेशकों के लिए चिंता का विषय बन गया है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का आधुनिक ढांचा तैयार करना साधारण काम नहीं है। इसके लिए अत्यंत शक्तिशाली संगणक, उन्नत अर्धचालक चिपें, विशाल आंकड़ा केंद्र, निरंतर बिजली आपूर्ति और प्रभावी शीतलन प्रणालियां चाहिए। इन सबके निर्माण और संचालन में भारी पूंजी लागती है। कंपनियां इस उम्मीद में निवेश कर रही हैं कि वे अपने प्रतिस्पर्धी को पीछे छोड़ सकें।

शांतिपूर्ण विरोध को पूरी तरह अनुचित नहीं ठहराया जा सकता। लोकतंत्र में सार्वजनिक स्थानों का महत्व इसलिए भी है कि नागरिक वहाँ अपनी बात रख सकें और उनकी आवाज समाज तथा शासन तक पहुँच सके।

इस मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय ने 15 अक्टूबर को प्रस्तावित प्रदर्शन पर रोक लगाने से इनकार किया था। न्यायालय ने पुलिस का यह आश्वासन दर्ज किया कि वह कानून के अनुसार भीड़ को नियंत्रित करने और व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाएगी। अगले दिन सर्वोच्च न्यायालय ने व्यापारियों की याचिका पर तत्काल आदेश देने से इनकार किया, लेकिन छोटे दुकानदारों, फेरीवालों और अन्य कामगारों की आजीविका पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर चिंता जताई। न्यायालय ने संकेत दिया कि यदि अनुचित प्रतिबंधों या गैरकानूनी कार्रवाई के कारण कारोबार को

हैं कि आने वाले वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मांग तेजी से बढ़ेगी और उनके द्वारा तैयार की गई संगणना क्षमता का पर्याप्त उपयोग होगा। लेकिन यदि मांग अनुमान से कम रही या ग्राहकों ने अपेक्षित धनराशि खर्च नहीं की, तो कंपनियों के लिए अपने निवेश से पर्याप्त लाभ कमाना कठिन हो सकता है।

अमेरिकी कंपनी कोरवीव का उदाहरण इस चिंता को समझने में मदद करता है। इस कंपनी कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी संगणना सेवाएँ उपलब्ध कराती है। रॉयटर्स की 15 अक्टूबर की रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी पर लगभग 50 अरब डॉलर का कर्ज है। उसके शेयरों में लगातार गिरावट आई और उसके कुछ बांडों पर मिलने वाला प्रतिफल भी बहुत बढ़ गया। इससे

निवेशकों ने कंपनी की वित्तीय क्षमता और कर्ज चुकाने की योग्यता पर सवाल उठाए। दूसरी ओर, कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कर्मचारियों को भरोसा दिलाया कि उसके पास भविष्य में आय देने वाले अनुबंधों का बड़ा भंडार है।

यहां समझने वाली बात यह है कि भविष्य के अनुबंधों का बड़ा मूल्य होना और समय पर पर्याप्त नकदी प्राप्त होना अलग-अलग बातें हैं। किसी कंपनी को कर्मचारियों के वेतन, बिजली, उपकरणों, यातायात और ऋण की किराई का भुगतान लगातार करना पड़ता है। यदि आय आने में देरी होती है, तो अच्छे अनुबंध होने के बावजूद वित्तीय दबाव पैदा हो सकता है। इसके विपरीत, यदि मांग मजबूत रहती है और कंपनी अपने अनुबंधों को वास्तविक

आय में बदल पाती है, तो भारी निवेश लाभदायक भी साबित हो सकता है। इसलिए किसी कंपनी के शेयरों में गिरावट को उसके कारोबार के समाप्त होने का प्रमाण मानना उचित नहीं है।

इस घटनाक्रम ने सरकारी बांडों की भूमिका को भी फिर चर्चा में ला दिया है। जब निवेशकों को शेयर बाजार में अधिक जोखिम दिखाई देता है, तब वे अपनी पूंजी का कुछ हिस्सा सरकारी प्रतिभूतियों में लगाते हैं। इससे इन बांडों की मांग बढ़ सकती है और उनकी कीमतों में तेजी आ सकती है। सामान्यतः बांड की कीमत और उससे मिलने वाला प्रतिफल विपरीत दिशा में चलते हैं।

15 अक्टूबर को वैश्विक बाजारों में सरकारी बांडों की ओर बढ़ते रुझान को इसी संदर्भ में देखा गया। हालाँकि सरकारी बांड भी ब्याज दरों में बदलाव से प्रभावित होते हैं, इसलिए उन्हें हम परिस्थिति में पूरी तरह जोखिममुक्त नहीं माना जा सकता। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता का वर्तमान विस्तार किसी आर्थिक बुलबुले का रूप ले रहा है। आर्थिक बुलबुले की स्थिति तब बन सकती है, जब किसी परिसंपत्ति का बाजार मूल्य उसकी वास्तविक कमाई और दीर्घकालीन संभावनाओं से बहुत आगे निकल जाए।

इस विवाद का समाधान किसी एक पक्ष को दूसरे के विरुद्ध खड़ा करने में नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था बनाने में है जिसमें दोनों के अधिकार सुरक्षित रह सकें। दिल्ली में पर्याप्त क्षमता वाले निर्धारित प्रदर्शन स्थलों की व्यवस्था, अनुमति संबंधी स्पष्ट नियम, पुलिस और आयोजकों के बीच पूर्व संवाद तथा बाजारों तक पहुँच बनाए रखने की योजना इस दिशा में उपयोगी हो सकती है। प्रशासन को व्यापारियों की शिकायतों की जाँच करनी चाहिए और वास्तविक नुकसान के आकलन के लिए प्रमाण आधारित व्यवस्था विकसित करनी चाहिए। दूसरी ओर, व्यापारिक हितों की रक्षा के नाम पर सार्वजनिक विरोध के अधिकार को अनावश्यक रूप से सीमित नहीं किया जाना चाहिए। कर्नाट प्लेस का घटनाक्रम हमें याद दिलाता है कि लोकतंत्र केवल अपनी बात कहने की स्वतंत्रता का नाम नहीं है, बल्कि दूसरों के अधिकारों और कठिनाइयों को समझने की जिम्मेदारी भी है। प्रदर्शनकारी अपनी माँगों के लिए आवाज उठाएँ, व्यापारी बिना भय और बाधा के अपना काम कर सकें तथा प्रशासन कानून के अनुसार निपटारा और अनुपातिक कदम उठाए, यही स्वस्थ लोकतांत्रिक व्यवस्था की अपेक्षा है।

लोकतांत्रिक विरोध और जनजीवन की दुश्वारियाँ



नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। छोटे दुकानदारों और दैनिक आय पर निर्भर लोगों के पास बड़े प्रतिष्ठानों की तरह लंबे समय तक नुकसान सहने की क्षमता नहीं होती। एक दिन की कम बिजली की उनके घर के खर्च, कर्मचारियों के वेतन और अन्य आवश्यक भुगतान को प्रभावित कर सकती है।

दूसरी ओर, शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन लोकतंत्र का एक आवश्यक अंग है। नागरिकों को सरकार, प्रशासन और सार्वजनिक संस्थाओं के निर्णयों से असहमति व्यक्त करने का अधिकार है। संविधान का अनुच्छेद 19 अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण ढंग से बिना हथियार एकत्र होने का अधिकार प्रदान करता है। इन अधिकारों पर सार्वजनिक व्यवस्था सहित संविधान में निर्धारित उचित प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं, लेकिन केवल असुविधा होने की आशंका के आधार पर

नुकसान पहुँचता है, तो वह अपने संवैधानिक अधिकार क्षेत्र का इस्तेमाल कर सकता है। इस टिप्पणी का अर्थ यह नहीं था कि प्रदर्शन पर अंतिम रूप से रोक लगा दी गई है या व्यापारियों को मुआवजा देने का आदेश जारी हो गया है। मामले में आगे न्यायिक विचार की संभावना बनी हुई थी। यहाँ प्रशासन की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाती है। भीड़ की संभावित संख्या, प्रदर्शन की प्रकृति, उपलब्ध स्थान और आसपास की सड़कों की क्षमता को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा की योजना बनाई जानी चाहिए। यदि किसी स्थान पर प्रदर्शन से व्यापक अव्यवस्था की आशंका है, तो प्रशासन को वैकल्पिक स्थल उपलब्ध कराने, यातायात के लिए दूसरे मार्ग निर्धारित करने और आम लोगों को समय रहते जानकारी देने जैसे उपाय अपनाने चाहिए। सेंट्रल पार्क को बंद करना या किसी मार्ग पर अवरोध लगाना आवश्यक हो सकता है, लेकिन ऐसे कदमों का औचित्य, अवधि और व्यापक प्रभाव भी स्पष्ट होना चाहिए। सुरक्षा के नाम पर लगाए गए प्रतिबंध आवश्यकता से अधिक व्यापक हों, तो वे नागरिकों की स्वतंत्रता और आजीविका दोनों को प्रभावित कर सकते हैं।

प्रदर्शन करने वाले संगठनों की भी कुछ जिम्मेदारियाँ हैं। किसी आंदोलन को सफलता केवल भीड़ जुटाने या सार्वजनिक स्थान पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने से तय नहीं होती। उसके उद्देश्य, माँगों और सामाजिक प्रभाव का भी महत्व होता है। आयोजकों को ऐसे स्थान और समय का चयन करना चाहिए जिससे उनकी बात अधिक लोगों तक पहुँचे और

अनावश्यक रूप से दूसरे नागरिकों के कामकाज में बाधा न आए। यदि किसी प्रदर्शन के कारण छोटे व्यापारियों, कर्मचारियों और आम लोगों को लगातार परेशानी होती है, तो आंदोलन के प्रति सहानुभूति भी प्रभावित हो सकती है। विरोध का अधिकार जिम्मेदारी से इस्तेमाल किया जाए, तो वह लोकतांत्रिक संवाद को मजबूत करता है।

इस विवाद का समाधान किसी एक पक्ष को दूसरे के विरुद्ध खड़ा करने में नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था बनाने में है जिसमें दोनों के अधिकार सुरक्षित रह सकें। दिल्ली में पर्याप्त क्षमता वाले निर्धारित प्रदर्शन स्थलों की व्यवस्था, अनुमति संबंधी स्पष्ट नियम, पुलिस और आयोजकों के बीच पूर्व संवाद तथा बाजारों तक पहुँच बनाए रखने की योजना इस दिशा में उपयोगी हो सकती है। प्रशासन को व्यापारियों की शिकायतों की जाँच करनी चाहिए और वास्तविक नुकसान के आकलन के लिए प्रमाण आधारित व्यवस्था विकसित करनी चाहिए। दूसरी ओर, व्यापारिक हितों की रक्षा के नाम पर सार्वजनिक विरोध के अधिकार को अनावश्यक रूप से सीमित नहीं किया जाना चाहिए। कर्नाट प्लेस का घटनाक्रम हमें याद दिलाता है कि लोकतंत्र केवल अपनी बात कहने की स्वतंत्रता का नाम नहीं है, बल्कि दूसरों के अधिकारों और कठिनाइयों को समझने की जिम्मेदारी भी है। प्रदर्शनकारी अपनी माँगों के लिए आवाज उठाएँ, व्यापारी बिना भय और बाधा के अपना काम कर सकें तथा प्रशासन कानून के अनुसार निपटारा और अनुपातिक कदम उठाए, यही स्वस्थ लोकतांत्रिक व्यवस्था की अपेक्षा है।



बस्तर दशहरे में नहीं मारा जाता रावण

बस्तर

दशहरा छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में मनाया जाने वाला दुनिया का सबसे लंबा, लगभग 75 दिनों तक चलने वाला एक अनूठा सांस्कृतिक और पारंपरिक पर्व है। इस पर्व में भगवान राम द्वारा रावण वध का प्रसंग नहीं होता। यह पूरा उत्सव क्षेत्र की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी और स्थानीय देवी-देवताओं को समर्पित होता है। इसकी शुरुआत 15वीं शताब्दी में राजा पुरुषोत्तम देव द्वारा की गई थी। इस उत्सव का सबसे बड़ा आकर्षण बिना किसी कील के पारंपरिक तरीके से बनाया जाने वाला दो मंजिला और विशाल लकड़ी का रथ (फूल रथ और विजय रथ) है, जिसे सैकड़ों लोग मिलकर खींचते हैं।

राज
परिवार की
जगन्नाथ यात्रा से
जुड़ी है यहां की
परम्परा

पाट जात्रा:

पर्व की शुरुआत इसी अनुष्ठान से होती है। यह रस्म हरेली अमावस्या के दिन मनाई जाती है इसी पाट जात्रा के साथ लगभग 75 दिनों तक चलने वाले अनेकसे बस्तर दशहरा पर्व का विधिवत आगाज़ होता है। इस रस्म के तहत बिलोरी गांव से विशेष रूप से लाए गए लकड़ी के तने, जिसे स्थानीय भाषा में ठुरलू खोटला (साल की लकड़ी) कहा जाता है, उसकी मां दंतेश्वरी मंदिर परिसर (जगदलपुर) में विधि-विधान से पूजा की जाती है। इसी पवित्र लकड़ी से आगे चलकर दशहरा पर्व के दौरान निकाले जाने वाले विशाल रथों के निर्माण और पारंपरिक औजारों को तैयार करने की शुरुआत होती है।



जोगी बिटाई

जोगी बिटाई एक अत्यंत महत्वपूर्ण और लगभग 600 साल पुरानी पारंपरिक रस्म है। इस रस्म के तहत जगदलपुर के ऐतिहासिक सिरहासार भवन में लगभग 4 फीट गहरे कुंड (गड्ढे) का निर्माण किया जाता है। एक चुना हुआ जोगी (जैसे हालिया परंपरा के अनुसार ग्राम बड़े आमाबाल के हल्बा समाज के युवक दौलत कुमार नाग) इस 4 फीट गहरे गड्ढे में बैठकर 9 दिनों की कठिन तपस्या और व्रत करते हैं। इस तपस्या का मुख्य उद्देश्य बस्तर दशहरा के 75 दिनों के महा-उत्सव का निर्विघ्न, शांतिपूर्ण और सकुशल संपन्न होना तथा पूरे क्षेत्र में सुख-शांति व समृद्धि की कामना करना होता है। यह रस्म मावली माता मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना और पवित्र तलवार के पूजन के बाद शुरू होती है।



भीतर रैनी और बाहर रैनी

बस्तर दशहरा का प्रसिद्ध अनुष्ठान भीतर रैनी और बाहर रैनी विश्व प्रसिद्ध 75 दिवसीय बस्तर दशहरा का मुख्य आकर्षण है। भीतर रैनी यह रस्म विजयादशमी (अदस) की रात को निभाई जाती है। इस दिन आठ पहियों (चक्कों) वाले विशालकाय विजय रथ पर मां दंतेश्वरी देवी का छत्र स्थापित कर नगर परिक्रमा कराई जाती है। नगर परिक्रमा के बाद परंपरा के अनुसार मांडिया आदिवासियों या स्थानीय लोगों द्वारा इस विशाल रथ को खींचकर चुपचाप कुम्हड़ाकोट के जंगल में छिपा दिया जाता है। इसे ही भीतर रैनी विधान कहा जाता है। भीतर रैनी के ठीक अगले दिन (एकादशी को) बाहर रैनी की रस्म होती है। इस दिन राजपरिवार के सदस्य और आदिवासी समुदाय कुम्हड़ाकोट पहुंचते हैं। वहाँ नई फसल के स्वागत में नवाखानी (नवा खाई) की पूजा-अर्चना होती है। इसके बाद जंगल में छिपे हुए विजय रथ को प्रेमपूर्वक और जयकारों के साथ वापस खींचकर पुनः जगदलपुर के सिंह ड्योड़ी / मुख्य स्थल पर लाया जाता है।



मुरिया दरबार

इस साल मुरिया दरबार में राष्ट्रपति डॉ. द्रौपदी मुर्मू विशेष रूप से शामिल हुईं। यह राजा और आदिवासी समुदाय के प्रमुखों की एक ऐतिहासिक सभा होती है। राष्ट्रपति की मौजूदगी और प्रोटोकॉल के चलते इस साल ऐतिहासिक मुरिया दरबार का आयोजन स्थल बदलकर जगदलपुर के लालबाग मैदान में किया गया है। यह सभा रियासत काल से चली आ रही है, जिसमें बस्तर के महाराजा, जनप्रतिनिधि और अधिकारी आदिवासी समाज के मांडी, चालकी, मुखिया, कोटवार और पुजारियों के साथ बैठकर सीधे संवाद करते हैं। इस दरबार में ग्रामीण व शहरी जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर क्षेत्र की समस्याओं, परंपराओं और विकास के मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाता है।

दशहरे का समापन

75 दिनों तक चलने वाले विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा उत्सव का समापन इसी मुरिया दरबार के आयोजन के साथ होता है। यहां रावण दहन नहीं होता, बल्कि मां दंतेश्वरी और स्थानीय देवी-देवताओं की आराधना की जाती है। अंत में मां दंतेश्वरी और अन्य देवी-देवताओं को सम्मान के साथ विदा किया जाता है।



खास-खबर



24 जिलों के 326 शिक्षकों को आरोप पत्र देने की तैयारी

रायपुर। सरकारी स्कूलों में शिक्षकों-कर्मचारियों की उपस्थिति के लिए शुरू की गई ऑनलाइन व्यवस्था में ऐसे अलग-अलग मामले सामने आए हैं। विद्या समीक्षा केंद्र (वीएसके) की रिपोर्ट के आधार पर लोक शिक्षण संचालनालय ने 24 जिलों के 326 शिक्षक-कर्मियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। संबंधित जिला शिक्षा अधिकारियों (डीईओ) से 15 दिन के भीतर आरोप पत्र सहित जरूरी दस्तावेज मांगे गए हैं। ऑनलाइन रिपोर्ट में अनुपस्थित पाए गए कर्मचारियों के मामले में लोक शिक्षण संचालनालय ने शासकीय निर्देशों की अवहेलना और अनुशासनहीनता माना है। यह चौंकाने वाले आंकड़े पहले चरण की रिपोर्ट में सामने आए हैं। अधिकारियों का कहना है कि आगे की जांच में ऐसे कई और मामले सामने आने के संकेत हैं। आंकड़ों के अनुसार रायगढ़ में सबसे ज्यादा 48 शिक्षकों-कर्मियों पर ऑनलाइन उपस्थिति नहीं देने के मामले में दर्ज हैं। कांकेर में 41, बिलासपुर में 33, सूरजपुर और कोरिया में 17-17 तथा बलौदाबाजार में 16 मामले हैं। रायपुर और मनेंद्रगढ़-चिरमिरि-भरतपुर में 15-15, राजनांदगांव में 13, महासमुंद में 12 और बालोद तथा बस्तर में 11-11 मामले दर्ज हैं। बीजापुर, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी और सुकमा में 10-10 मामले सामने आए हैं। अन्य जिलों में भी ऐसे प्रकरण मिले हैं। कुल मामलों में 177 शिक्षक, 99 गैर-शैक्षणिक कर्मचारी, 44 प्रधान पाठक समेत अन्य श्रेणी के लोकसेवक शामिल हैं।

युवा तीरंदाज रुस्तम साहू और अर्पिता वर्मा ने छत्तीसगढ़ सीनियर टीम में बनाया स्थान

श्रीकंचनपथ समाचार

राजनांदगांव। जिले के दो युवा तीरंदाज रुस्तम साहू और अर्पिता वर्मा ने अपने शानदार खेल प्रदर्शन के दम पर छत्तीसगढ़ की सीनियर तीरंदाजी टीम में जगह बनाई है। दोनों खिलाड़ियों का चयन शिलांग, मेघालय में होने वाली सीनियर तीरंदाजी प्रतियोगिता के लिए हुआ है। इस उपलब्धि से जिले के खेल जगत में उत्साह का माहौल है।

17 अक्टूबर को डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, कोटा बिलासपुर में 26वीं सीनियर स्टेट तीरंदाजी

प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के 20 जिलों से करीब 300 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। कड़े मुकाबले के बीच राजनांदगांव के रुस्तम साहू और अर्पिता वर्मा ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए प्रदेश की सीनियर टीम में अपना स्थान सुनिश्चित किया।

दोनों चयनित तीरंदाज डॉ. रमन सिंह के गोद ग्राम लिटिया में नियमित रूप से सुबह और शाम तीरंदाजी का अभ्यास करते हैं। डिप्लोमा ए ग्रेड कोच हीरू साहू के मार्गदर्शन में रुस्तम और अर्पिता न केवल अपने खेल को निखार रहे हैं, बल्कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्र



के बच्चों को भी तीरंदाजी का अभ्यास कराते हैं। राजनांदगांव के दोनों खिलाड़ियों के छत्तीसगढ़ की सीनियर टीम में चयन पर स्व. अभिलेख अग्रहरि फाउंडेशन, मनोज चौधरी, डेविड वर्मा, वृजेंद्र भूषण खरे, डॉ. संतोष साहू और कोच हीरू साहू ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रतियोगिता के समापन समारोह में बिलासपुर कलेक्टर संजय अग्रवाल, डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रदीप घोष, डीन डॉ. जय शंकर यादव और भारतीय तीरंदाजी संघ के उपाध्यक्ष कैलाश मुरारका उपस्थित रहे।



मानसून की हो गई विदाई : कल से पर्यटकों के लिए फिर खुल जाएगी कुटुमसर की गुफा

श्रीकंचनपथ समाचार

जगदलपुर। बस्तर की प्राकृतिक खूबसूरती और भूभागी विरासत का दीदार करने के लिए पर्यटकों का ईंतजार अब खत्म होने जा रहा है। मानसून के दौरान सुरक्षा कारणों से बंद रखी गई कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान की विश्व प्रसिद्ध कुटुमसर गुफा में एक बार फिर पर्यटन गतिविधियां शुरू होने जा रही हैं। लगभग चार महीने के लंबे अंतराल के बाद 20 अक्टूबर से पर्यटक जिप्सी सफारी के जरिए कुटुमसर गुफा तक पहुंच सकेंगे। इस वर्ष पर्यटकों को निर्धारित समय से 12 दिन पहले ही गुफा के दीदार का अवसर मिलेगा।

सामान्य तौर पर हर साल एक नवंबर से जिप्सी सफारी शुरू की जाती रही है, लेकिन इस बार मानसून की वर्षा जल्दी समाप्त होने और मौसम की अनुकूल परिस्थितियों को देखते हुए उद्यान प्रबंधन ने सफारी सेवा पहले शुरू करने का निर्णय लिया है। दरअसल वर्षा ऋतु के दौरान पर्यटकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान प्रबंधन ने 17 जून से 30 सितंबर तक कुटुमसर



गुफा को पर्यटन गतिविधियों के लिए बंद रखा था। बारिश के दौरान वन क्षेत्र के रास्तों की स्थिति, प्राकृतिक जलभराव और अन्य संभावित जोखिमों को देखते हुए यह निर्णय लिया गया था।

अब मानसून की विदाई के बाद मौसम अनुकूल होने से एक बार फिर पर्यटकों के लिए इस प्राकृतिक धरोहर के द्वार खुलने जा रहे हैं। कुटुमसर गुफा तक पहुंचने के लिए संचालित जिप्सी सफारी भी पर्यटन अनुभव का महत्वपूर्ण हिस्सा है। घने वन क्षेत्र +से होकर गुजरने वाला यह सफर पर्यटकों को बस्तर के जंगलों, प्राकृतिक सौंदर्य और समृद्ध जैव

के लिए कौतूहल और आकर्षण का केंद्र रहती हैं। यही वजह है कि यहां हर साल बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक, प्रकृति प्रेमी और शोधार्थी पहुंचते हैं।

उद्यान प्रबंधन के अनुसार जिप्सी सफारी का संचालन मौसम की स्थिति, मार्ग की उपलब्धता, पर्यटकों की सुरक्षा और वन विभाग द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप किया जाएगा। प्रबंधन ने पर्यटकों से अपील की है कि वे भ्रमण के दौरान प्राकृतिक संपदा और जैव विविधता के संरक्षण का विशेष ध्यान रखें। वन क्षेत्र में प्लास्टिक और अन्य कचरा नहीं फैलाए तथा वन्यजीवों को किसी भी प्रकार से परेशान न करें। साथ ही वन विभाग के कर्मचारियों द्वारा दिए जाने वाले निर्देशों का पालन करें।

नई रफ्तार मिलाने की उम्मीद

कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान के निदेशक गौतम नारायण पंडित ने बताया कि चार महीने तक बंद रहने के बाद कुटुमसर गुफा में पर्यटन गतिविधियां शुरू होने से बस्तर के पर्यटन सीजन को नई रफ्तार मिलने की उम्मीद है। अब पर्यटक एक बार फिर कांगेर घाटी के घने जंगलों के बीच रोमांचक सफर करते हुए प्रकृति की इस अनमोल विरासत को करीब से निहार सकेंगे।

नीदरलैंड्स से आया दूल्हा, अपना प्यार अपनाने को

श्रीकंचनपथ समाचार

जांजगीर-चाम्पा। जिले में एक ऐसा विवाह हुआ जो चर्चा का विषय बन गया है। पामाण्ड विकासखंड के भुईगांव की बेटी क्रिस्टीना नर्थेनियल पढ़ाई करने नीदरलैंड गई थी। वहीं उसकी मुलाकात क्रिस्टीयान एन्ड्रियस से हुई। दोनों के बीच प्यार परवान चढ़ा और विवाह करने सात सप्ताह पार नीदरलैंड से क्रिस्टीयान जांजगीर पहुंचा।



जिला विवाह अधिकारी के समक्ष दोनों ने एक-दूसरे को पुण्यहार पहनाया और जीवनभर साथ निभाने

का संकल्प लेकर एक-दूसरे को अपना जीवनसाथी स्वीकार कर लिया। भुईगांव-पामाण्ड की रहने वाली क्रिस्टीना नर्थेनियल कुछ वर्ष पहले तकनीकी शिक्षा हासिल करने के लिए नीदरलैंड पहुंची थीं। वहीं उनकी मुलाकात क्रिस्टीयान से हुई। शुरुआती जान-पहचान धीरे-धीरे दोस्ती में बदली और फिर दोनों को प्यार हो गया। परिजनों ने इसे सहमति दी और इसके बाद दोनों ने कोर्ट मैरिज कर ली। अपर कलेक्टर एवं जिला विवाह अधिकारी प्रमोद कुमार गुप्ता के समक्ष दोनों ने विवाह की प्रक्रिया पूरी की।

संपर्क भाषा हिन्दी की चुनौतियों और संभावनाओं

विविधता पर चर्चा करने दाऊ कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय में जुटे विद्वान

श्रीकंचनपथ समाचार

बलौदाबाजार। शासकीय दाऊ कल्याण कला एवं वाणिज्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलौदाबाजार के हिंदी विभाग द्वारा 16 अक्टूबर को 'संपर्क भाषा हिंदी : चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में विद्वानों ने हिंदी को संपर्क भाषा के रूप में भूमिका, भारतीय भाषाओं के संरक्षण, भाषाई विविधता तथा समकालीन परिदृश्य में हिंदी की प्रासंगिकता पर विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने हिंदी के विकास के साथ अन्य भारतीय भाषाओं के सम्मान और संवर्धन को भी आवश्यक बताया।

संगोष्ठी के विशिष्ट अतिथि प्रो. (डॉ.) जी. ए. घनश्याम ने कहा कि भारत की वास्तविक समृद्धि उसकी भाषाई विविधता में निहित है। भाषाएं हमारी अस्मिता और सांस्कृतिक पहचान का आधार हैं। उन्होंने हिंदी के विकास को अन्य भारतीय भाषाओं के संरक्षण एवं सम्मान से जोड़ते हुए भाषाई प्रतिस्पर्धा के स्थान पर समन्वय और संवाद की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि विभिन्न भाषाओं के बीच परस्पर सहयोग से ही भारतीय भाषायी संस्कृति को समृद्ध बनाया जा सकता है। विशिष्ट अतिथि प्रो. डॉ.



अनुसुइया अग्रवाल ने अपने वक्तव्य में कविता के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन और रचनात्मक चेतना को आवश्यकता को रेखांकित किया।

उन्होंने हिंदी भाषा एवं साहित्य में शोध और अनुसंधान की संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों और शोधार्थियों को गंभीर अध्ययन के लिए प्रेरित किया। उन्होंने भाषा और साहित्य को सामाजिक चेतना के विकास का महत्वपूर्ण माध्यम बताया।

मुख्य अतिथि प्रतिनिधि श्री एम.एस. पाध्ये, सदस्य जनभागीदारी समिति ने संगोष्ठी के आयोजन की सराहना करते हुए हिंदी विभाग एवं महाविद्यालय परिवार को बधाई दी। उन्होंने

महाविद्यालय की निरंतर प्रगति की कामना की। अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. धनंजय मिश्रा ने विषय की अकादमिक प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए प्रतिभागियों को गंभीर अध्ययन एवं चिंतन के लिए प्रेरित किया। उन्होंने इस प्रकार के आयोजनों को शैक्षणिक वातावरण और शोधपरक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया।

संगोष्ठी के संयोजक एवं हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. हीरालाल शर्मा ने विषय के औचित्य और वर्तमान संदर्भ में इसकी प्रासंगिकता को स्पष्ट किया। हिंदी विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ.

श्रीकंचनपथ समाचार

कोटा। नवरात्र के पावन पर्व पर आस्था, भक्ति और जनसहभागिता का अनूठा संगम देखने को मिला। बेलतरा विधानसभा क्षेत्र में भाजपा विधायक सुशांत शुक्ला के नेतृत्व में निकाली गई सात दिवसीय ध्वजा यात्रा शनिवार को रतनपुर स्थित मां महामाया मंदिर में संपन्न हुई। 11 अक्टूबर को नवरात्र के पहले दिन शुरू हुई इस यात्रा में विधायक ने माता का ध्वज लेकर 171 किलोमीटर की पदयात्रा की और करीब 50 गांवों से होकर गुजरे।

ध्वजा यात्रा के दौरान विधायक सुशांत शुक्ला ने रास्ते में पड़ने वाले मंदिरों, मठों और गांवों की गुड़ियों में माता का ध्वज अर्पित किया। सात दिनों तक चली इस यात्रा में ग्रामीणों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जगह-जगह



श्रद्धालुओं ने यात्रा का स्वागत कर अपनी आस्था प्रकट की। यात्रा के माध्यम से धार्मिक स्थलों और ग्रामीण क्षेत्रों में भक्ति

अब बोर्ड परीक्षा के केन्द्रों पर बवाल

रायपुर। बोर्ड परीक्षाओं के लिए परीक्षा केंद्रों के निर्धारण को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिम) के केंद्र बदलने संबंधी फैसले पर छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन ने आपत्ति जताई है। संघ का कहना है कि इससे विद्यार्थियों को अपने स्कूल के बजाय दूसरे स्कूलों में परीक्षा देने जाना पड़ सकता है, जिससे खासकर ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों और छात्राओं को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। शिक्षक संघ के मुताबिक, नए नियमों के चलते कुछ विद्यार्थियों के परीक्षा केंद्र उनके मौजूदा केंद्रों से करीब 5 से 8 किलोमीटर तक दूर हो सकते हैं। ऐसे में रोजाना परीक्षा देने के लिए लंबी दूरी तय करना छात्रों के लिए चुनौती बन सकता है। ग्रामीण इलाकों में परिवहन की सीमित सुविधा के कारण यह समस्या और गंभीर हो सकती है।

SAIRAM
Mobile Accessories

मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है

7000415602

Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

चौरसिया ज्वेलर्स

आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्वेक्स एवं प्रहलद उपलब्ध यहां उचित व्याज दर पर धरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई

9827938211, 9827171332

CAR DECOR

House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories

Shop No.3 Nafish Tower, Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai

Mo.9300771925, 0788-4030919

K. Satyanarayan

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE

Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture

Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 22964330

Shri Vijay Enterprises

Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.

Supela Market, Bhilai

PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

ई-बाइक चार्जिंग के दौरान भीषण आग : अटल आवास में मची अफरा-तफरी

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर के सरकंडा क्षेत्र स्थित कपिल नगर अटल आवास में अचानक भीषण आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया। आग इतनी तेजी से फैली कि मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इस दौरान कई गाड़ियां और घर का सामान जलकर खाक हो गया। मिली जानकारी के मुताबिक, कपिल नगर अटल आवास में ई-बाइक चार्जिंग के दौरान आग लगने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, आग लगने की वास्तविक वजह की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। आग की लपटें उठती देख स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। घटना के दौरान आवास में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। वहीं, सूचना मिलते ही दमकल की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशकत के बाद आग पर काबू पाया। आग की चपेट में आने से गाड़ियों समेत घर में रखा सामान जलकर खाक हो गया। फ्लिहाल, आग लगने के वास्तविक कारणों का पता जांच के बाद ही चल सकेगा।

सरगुजा में दर्दनाक हदसा : पेड़ से टकराई तेज रफ्तार बाइक, होटल मैनेजर की मौके पर मौत

सरगुजा। सुवारपारा से बटईकेला मार्ग में स्थित मोड़ में तेज रफ्तार बाईक सवार युवक अनियंत्रित होकर बकेन के पेड़ से जा भिड़ा जहां युवक की मौके पर ही मौत हो गई इस घटना की खबर से परिजनों सदमे में है। आपको बता दें कि मृतक अजय कुमार चक्रवती पिता प्रदीप कुमार चक्रवती उम्र लगभग 21 वर्ष निवासी बतौली बिलासपुर का रहने वाला था। जो अंबिकापुर में रहकर रेलवे स्टेशन में होटल सुभानी में मैनेजर के पद पर कार्यरत था। जो अपने निजी काम से 5 बजे बतौली पहुंच अपने भाई से आका बाइक कंटीएम क्रमांक सीजी 15 ई जे 4512 को बिलासपुर से बतौली मंगवाया और कहा कि बाईक अंबिकापुर लेकर जा रहा हु। जब मृतक अजय अपने भाई को अंबिकापुर जाने की बात कहकर सुवारपारा में भी दोस्ती के साथ मेल मिलाप किया। उसके बाद रात्रि 8 बजे दोस्त से मिलने जूनापारा मंगारी सुवारपारा क्रेशर मार्ग से जाने जैसे ही निकला धुनेश्वर घर के सामने सड़क किनारे स्थित बकेन के पेड़ से अनियंत्रित होकर जा टकराया। जिससे युवक को सिर में गंभीर चोट लगने से मौके पर ही मौत हो गई इस घटना युवक की असमय मौत होने से गांव में भी शोक का माहौल है। बतौली पुलिस मार्ग नियम कर शव का पीएम करा परिजनों को सौंप दिया है।

सरगुजा के शांतिपारा मेले का शुभारंभ: 73 पुलिसकर्मी संभालेंगे सुरक्षा की कमान, भंडारा, जागरण और आर्केस्ट्रा बनेगा आकर्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

सरगुजा। शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर सरगुजा जिले के बतौली स्थित प्रसिद्ध शांतिपारा मेले में आस्था और उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। माता रानी के जयकारों, भजन-कीर्तन और आकर्षक साज-सज्जा से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया है। मेले के शुभारंभ की लेकर समिति ने व्यापक तैयारियां की हैं। वहीं, श्रद्धालुओं की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन ने भी कम्मर कस ली है। मेले में सुरक्षा की जिम्मेदारी 73 अधिकारी-कर्मचारियों की टीम संभालेगी।

बतौली के शांतिपारा में हर वर्ष की परंपरा के अनुसार इस बार भी शारदीय नवरात्र के दौरान मेले का आयोजन किया जा रहा है। मेले में सरगुजा जिले सहित अन्य राज्यों से व्यापारी पहुंचकर अपनी दुकानें सजा चुके हैं। रंग-बिरंगी दुकानों और आकर्षक साज-सज्जा से मेले में रौनक बढ़ गई है। आयोजन समिति ने मेले के लिए आवश्यक अनुमति लेने के साथ ही व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया है।

नवरात्र की अष्टमी, नवमी और दशमी के

साइबर सुरक्षा की मुहिम से 1.70 करोड़ लोगों तक पहुंचा संदेश

रायपुर। ऑनलाइन ठगी, फर्जी निवेश योजनाओं और डिजिटल अरेस्ट जैसे साइबर अपराधों से नागरिकों को बचाने के लिए छत्तीसगढ़ पुलिस ने कार्रवाई के साथ जनजागरूकता पर भी जोर दिया है। इसी उद्देश्य से 15 अगस्त से 2 अक्टूबर 2026 तक प्रदेश में सात सप्ताह का विशेष साइबर जागृति अभियान चलाया गया। पुलिस के अनुसार, इस दौरान 34 पुलिस इकाइयों के माध्यम से पांच लाख से अधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए और 1.70 करोड़ से अधिक नागरिकों तक साइबर सुरक्षा का संदेश पहुंचाया गया। अभियान के तहत पुलिस ने स्कूलों, हाट-बाजारों तथा धार्मिक आयोजनों में भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए।

फॉरेक्स ट्रेडिंग में मुनाफे का झांसा देकर 18.63 लाख की टगी, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में फॉरेक्स और ट्रेडिंग की ट्रेनिंग देने वाला संस्थान खोलने तथा उसमें निवेश करने पर अच्छा मुनाफ़ा दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। सुपेला थाना पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी मीनल चौहान को नागपुर से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से एक कार भी बरामद की है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी अक्षय राठौर ने थाना सुपेला में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका कृषि व्यवसाय है तथा एक परिचित के माध्यम से उसकी पहचान मीनल चौहान से हुई थी। मीनल चौहान द्वारा रायपुर स्थित करंसी टावर, वीआईपी चौक में Finvision एवं Finvision Training Institute के नाम से फॉरेक्स एवं ट्रेडिंग प्रशिक्षण संस्थान प्रारंभ



करने तथा उसमें निवेश करने पर अच्छा मुनाफ़ा मिलने की बात कही गई थी। प्रार्थी के अनुसार, आरोपी के कहने पर दिसंबर 2025 से जून 2026 के मध्य संस्थान के संचालन, स्टाफ के वेतन, कार्यालय किराया, मेंटेंस, विज्ञापन, थ्री। मीनल चौहान द्वारा रायपुर स्थित करंसी टावर, वीआईपी चौक में Finvision एवं Finvision Training Institute के नाम से फॉरेक्स एवं ट्रेडिंग प्रशिक्षण संस्थान प्रारंभ

वापस किए गए तथा शेष 18 लाख 63 हजार 675 बकाया होने की शिकायत की गई। प्रार्थी ने आरोप लगाया कि संस्थान के संचालन एवं ट्रेडिंग से मुनाफ़ा दिलाने का प्रलोभन देकर उससे राशि प्राप्त की गई। शिकायत के आधार पर थाना सुपेला में अपराध क्रमांक 1389/2026, धारा 318(4), 351(3) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

प्रकरण में थाना सुपेला पुलिस द्वारा

कार्रवाई करते हुए मदर टेरेसा नगर ओम शांति चौक भिलाई में रहने वाले आरोपी मीनल चौहान को नागपुर से गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक कार बरामद की है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। मामले में पुलिस आगे की वैधानिक कार्रवाई कर रही है। इस प्रकरण में थाना सुपेला के थाना प्रभारी निरीक्षक एस.एन. सिंह, सहायक उपनिरीक्षक राजेश तिवारी, आरक्षक गौरव दुबे एवं आरक्षक किशोर भागत की भूमिका रही।

दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि फॉरेक्स ट्रेडिंग, निवेश अथवा किसी भी व्यवसाय में धन लगाने से पहले संबंधित संस्था की वैधानिकता, पंजीयन एवं निवेश संबंधी शर्तों की जांच अवश्य करें। अधिक मुनाफे के प्रलोभन में आकर बिना सत्यापन के राशि हस्तांतरित न करें तथा लेन-देन के दस्तावेज, बैंक विवरण एवं अन्य साक्ष्य सुरक्षित रखें। किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी की आशंका होने पर तत्काल नजदीकी थाने या साइबर हेल्पलाइन 1930 पर सूचना दें।

सोशल मीडिया पर हिन्दू देवी-देवताओं व ऋषियों पर आपत्तिजनक पोस्ट, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले की कुनकुरी पुलिस ने सोशल मीडिया पर हिन्दू देवी-देवताओं व ऋषियों पर आपत्तिजनक पोस्ट करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। धार्मिक भावनाओं को आहत करने के मामले में आरोपी के विरुद्ध बीएनएस की धारा 199, 299 के तहत अपराध दर्ज किया है। घटना में प्रयुक्त वीवो मोबाइल एवं जियो सिम भी पुलिस ने जब्त किया है। गिरफ्तार आरोपी का नाम हेमंत कुमार बेदी (52) निवासी ग्राम बिहावल पतराटोली है।

दरअसल इस मामले में 17 अक्टूबर को 2026 को चराईडांड कुनकुरी निवासी विश्व हिन्दू परिषद के जिला अध्यक्ष करनैल सिंह ने शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि 15 अक्टूबर को उन्होंने फेसबुक पर हेमंत बेदी नामक व्यक्ति के अकाउंट से एक पोस्ट देखा था। उक्त पोस्ट में हिन्दू धर्मग्रंथों, देवी-देवताओं एवं ऋषियों के संबंध में आपत्तिजनक एवं अशोभनीय टिप्पणियां की गई थीं। प्रार्थी के अनुसार, इस पोस्ट से हिन्दू धर्मावलंबियों की धार्मिक भावनाएं आहत हुईं तथा समाज में आक्रोश व्याप्त हुआ। उन्होंने संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध कोटर



वैधानिक कार्रवाई करने की मांग की। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना कुनकुरी में आरोपी हेमंत कुमार बेदी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 199 एवं 299 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

प्रकरण की विवेचना के दौरान मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर डॉ लाल उमेद सिंह के दिशा निर्देश, अतिरिक्त पुलिसअधीक्षक राकेश कुमार पाटनगर के मार्गदर्शन व एस डी ओ पी कुनकुरी राजेश कुमार साहू के पर्यवेक्षण तथा थाना प्रभारी कुनकुरी निरीक्षक भूपेन्द्र कुमार चंद्रा के नेतृत्व में पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए प्रार्थी एवं गवाहों के कथन दर्ज किए गए।

रेत के अवैध परिवहन पर खनिज विभाग का बड़ा एक्शन, छह ट्रैक्टर और दो टिपर जब्त



श्रीकंचनपथ न्यूज

मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर। छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में रेत के परिवहन के खिलाफ खनिज विभाग ने सख्त कार्रवाई की है। जिला कलेक्टर के निर्देश पर जिला खनिज उडुनदस्ता दल ने मनेंद्रगढ़ तहसील के विभिन्न क्षेत्रों में जांच अभियान चलाकर रेत का अवैध परिवहन करते हुए 6 ट्रैक्टर और 2 टिपर वाहनों को जब्त किया है। जब्त किए गए सभी वाहनों को सुरक्षा की दृष्टि से कलेक्ट्रेट परिसर में रखा गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, जिले में खनिज संसाधनों के अवैध उत्खनन और परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन ने निगरानी बढ़ा दी है। इसी क्रम में 16 अक्टूबर 2026 को जिला खनिज उडुनदस्ता दल ने मनेंद्रगढ़ तहसील के सिरौली, चैनपुर, हरितानापुर और घुंटा क्षेत्रों में जांच अभियान चलाया। इस दौरान रेत का अवैध परिवहन करते पाए जाने

पर टीम ने 6 ट्रैक्टर और 2 टिपर वाहनों को जब्त कर लिया। कार्रवाई के बाद सभी वाहनों को कलेक्ट्रेट परिसर में रखा गया है। खनिज विभाग की इस कार्रवाई का उद्देश्य खनिज संसाधनों के अनधिकृत परिवहन पर रोक लगाना और शासन के निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित करना है।

खनिज विभाग के अनुसार, जब्त किए गए वाहनों के विरुद्ध खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 तथा छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम, 2015 के तहत नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि खनिज नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। जिले में अवैध रेत परिवहन और खनिज संसाधनों के अनधिकृत उपयोग पर प्रभावी नियंत्रण के लिए निगरानी और जांच अभियान आगे भी चलाए जाएंगे।

है। प्रकरण में आरोपी के विरुद्ध अपराध घटित करने के पर्याप्त साक्ष्य पाए जाने पर दिनांक 17.10.2026 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। प्रकरण में पुलिस की अग्रिम विवेचना जारी है।

मामले की कार्यवाही व आरोपी की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी कुनकुरी निरीक्षक भूपेन्द्र कुमार चंद्रा, प्रधान आरक्षक गोविंद यादव, रामानुजम पांडे, दलेश्वर यादव, आरक्षक जितेंद्र गुप्ता व नगर सैनिक अजय श्रीवास्तव की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मामले में डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर डॉ. लाल उमेद सिंह ने कहा कि सोशल मीडिया पर धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाली आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित करना गंभीर विषय है। किसी भी व्यक्ति द्वारा धार्मिक सौहार्द बिगाड़ने अथवा समाज में वैमनस्य फैलाने का प्रयास किया जाएगा, तो उसके विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि मामले की सूचना मिलने पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है। जशपुर पुलिस जिले में शांति, कानून-व्यवस्था एवं सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

साड़ी खरीदने के बहाने चोरी : सूरजपुर में राजस्थान की 10 महिलाओं समेत 12 गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में कपड़ा दुकान पर साड़ी खरीदने के बहाने चोरी करने का मामला सामने आया है। लटोरी चौकी क्षेत्र के करवां में स्थित एक कपड़ा दुकान और उसके गोदाम से करीब 36 हजार रुपये की साड़ियां गायब होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें राजस्थान के बारां जिले की 10 महिलाएं और 2 पुरुष शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई साड़ियां भी बरामद की हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, जहां 17 अक्टूबर की शाम कुछ महिलाएं दो कारों से लटोरी-करवां मार्ग पर स्थित कपड़ा दुकान में साड़ी खरीदने पहुंचीं। इस दौरान महिलाओं ने दुकानदार को खरीदारी में उलझाए रखा और उसकी नजर बचाकर कथित तौर पर साड़ियों की चोरी कर ली। दुकान के साथ लगे गोदाम से भी साड़ियों के चंडल गायब हो गए।



महिलाओं के दुकान से जाने के बाद जब दुकानदार ने साड़ियों के स्टॉक का मिलाप किया, तो उसे कई साड़ियां गायब मिलीं। जांच करने पर करीब 36 हजार रुपये की साड़ियों की चोरी होने की जानकारी सामने आई। इसके बाद दुकानदार ने मामले की शिकायत पुलिस से की।

शिकायत मिलने के बाद लटोरी चौकी पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। इसी दौरान पुलिस को बनारस रोड के किनारे तबू लगाकर रह रहीं कुछ संदिग्ध महिलाओं

और पुरुषों के बारे में जानकारी मिली। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उनसे पूछताछ की और कार्रवाई करते हुए 12 लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए लोगों में राजस्थान के बारां जिले की 10 महिलाएं और 2 पुरुष शामिल हैं। आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई साड़ियां बरामद की गई हैं। यह पूरा मामला सूरजपुर जिले के लटोरी चौकी क्षेत्र के करवां का है। फ्लिहाल, मामले में पुलिस की कार्रवाई जारी है।

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sisa Jewellery
Beside Parakh Jewellers,
Aksah Ganga,
Supela, Bhillai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

मिलाई की सबसे बड़ी
चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhillai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़,
अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी
का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766



महतारी- बहनों के चेहरों पर गर्व की मुखकान

हमारे समृद्ध छत्तीसगढ़ की पहचान



महतारी वंदन

68 लाख

माताओं- बहनों के खाते में
अब तक ₹20,708 करोड़+



महतारी सदन

महिला स्वरोजगार केंद्र के रूप में
485 महतारी सदनों
का हो रहा निर्माण



प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना

39.54 लाख

से अधिक माताओं- बहनों की
रसोई हुई धुंधला मुक्त



लखपति दीदियां

13.96 लाख

बहनें स्व सहायता समूहों से जुड़
कर बनीं लखपति दीदियां



श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री बिष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

सुशासन से समृद्धि की ओर



हमसे जुड़ने के लिए
QR स्कैन करें